19 अगस्त, 2016

आज एफसीआई वर्कर रैली, जंतर–मंतर, दिल्ली में रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के उद्‌बोधन की प्रतिलिपि

"मोदी और मज़दूर की लड़ाई में जीतेगा मज़दूर – सुरजेवाला"

आदर और सम्मान के योग्य श्री जी. एस. जैना साहब, भाई प्रमोद नायक जी, सांसद और इंटक के अध्यक्ष डॉ. संजीवारेड्डी, इंटक के महासचिव अशोक सिंह, पूर्व सांसद केवल सिंह, एफसीआई वर्कर यूनियन के अध्यक्ष, श्री महेश, मेरे साथ आए राजेंद्र चहल जी, हमारे इंटक के सम्मानित राष्ट्रीय महासचिव, पदाधिकारीगण और अध्यक्ष, सब यहां आए हैं, आदरणीय हर कोने से आए मज़दूर साथियों,

आज आपका जोश और जज़्बा, मज़दूरों की हाजिरी, पूरे देश के हर कोने से आए एफसीआई के मज़दूरों की यह हुंकार यह दिखाती है कि आपके अंदर वो ताकत है, जो मोदी सरकार की नींव को हिलाकर रख देगी। दोस्तों, मज़दूर भाईयों, ये देश बड़े–बड़े उद्योगपतियों से नहीं चलता; ये देश उन उद्योगपतियों के बड़े बड़े कारखानों से भी नहीं चलता, जिनके हवाई जहाजों में बैठकर मोदी जी मज़दूर–किसान का नाम लेते–लेते देश के प्रधानमंत्री बन गए। ये देश चलता है, हल का मूंठ पकड़कर, जमीन का सीना चीरकर सोना पैदा करने वाले करोड़ों किसान और मज़दूरों से, जिनके नुमाईंदे मेरे सामने बैठे हैं। इस देश के असली नायक, इस देश के असली मालिक, इस देश के असली राजा आप हैं। जिनका पसीना जब धरती माता पर गिरता है, जिनकी मेहनत और शरीर, पेट और पीठ इकट्‌ठा करके जब किसान और मज़दूर रोटी कमाता है, वो रोटी, वो अनाज जो अपनी पीठ पर लादकर आप गोदामों में जिसकी सुरक्षा करते हैं, एफसीआई के गोदामों में, तो इस देश के 125 करोड़ लोगों का पेट पलता है।

बुजुर्गों, दोस्तों, मेरे मज़दूर भाईयों, जिस दिन इस देश का किसान और मज़दूर अपनी ताकत को पहचान जाएगा, जिस दिन इस देश का किसान और मज़दूर अपने जज़्बे को एक धारा में पिरो पाएगा, जिस दिन इस देश के किसान और मज़दूर की आवाज मोदी जैसी सरकार के पांव को थर्रा देंगी, उस दिन आपकी मांग को कोई रोक नहीं पाएगा। आपकी मांग सरकारों को माननी पड़ेगी।

इंटक के हमारे राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय महासचिव और अध्यक्षगण सब यहां मौजूद हैं, संजीवा रेड्डी जी, महेश यादव जी और जैना साहब के साथ। ठीक कहा था प्रमोद भाई ने। और मैं यह आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि मज़दूरों को इस कुचक्र से पीछा छुड़वाने का पहला नोटिफिकेशन कांग्रेस सरकार ने 1985 के अंदर जारी किया था। हरियाणा प्रांत के अंदर, और फिर वो जज़्बा चलता रहा। स्वर्गीय राजीव गांधी जी का जन्मदिवस कल है। कल जब हम उनकी मूर्ति पर शीश झुकाएंगे, तब ये भी याद रखिएगा कि वो व्यक्ति थे राजीव गांधी, जिन्होंने कांग्रेस की सरकारों को मज़दूर के हक में आदेश दिया और फिर केंद्र और प्रांतों ने एक के बाद एक तेरह नोटिफिकेशन आपके हक में जारी किए। जिससे आपकी रोजी और रोटी, दोनों की ताकत आज तक चलती आई है।

नरेंद्र मोदी जी जब सत्ता में नहीं आए थे, तो क्या कहा करते थे? नरेंद्र मोदी जी कहा करते थे कि इस देश का भगवान, इस देश का किसान और मज़दूर है। क्या यह सच नहीं दोस्तों? सत्ता में आने से पहले बलिया से बलरामपुर तक, मिज़ोरम से नागालैंड तक, कश्मीर से कन्याकुमारी तक, पोरबंदर से असम तक जाकर बार–बार, बिहार, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा में नरेंद्र मोदी जी ने केवल एक वायदा किया, 'एक मौका मुझे दे दीजिए', पचास–पचपन–साठ साल कांग्रेस को मौका मिला है, अगर मुझे मौका देंगे, तो किसान और मज़दूर, उनकी विजय पताका इस देश की संसद पर मैं लहराउंगा। परंतु क्या किया? किया क्या सत्ता में आने के बाद?

सत्ता में आने के बाद इस देश के 226 एफसीआई डिपो पर काम करने वाले एफसीआई के मज़दूरों के पेट पर सबसे पहले लात मारी। मोदी जी इन मज़दूरों की रोटी क्यों छीनना चाहते हैं? भारतीय जनता पार्टी इन मज़दूरों की रोटी क्यों छीनना चाहती है? क्यों आपके बोर्ड के द्वारा पास किए गए इस निर्णय को नरेंद्र मोदी की सरकार ने कूड़ेदान के अंदर डाल दिया? क्यों ऐसा कर रहे हैं? यह जानने और समझने की जरूरत है।

मैं किसान का एक बेटा, मैं वो नौजवान, जो हल पकड़कर आज भी अनाज पैदा करता हूं, जिस अनाज को आप बोरियों में भरकर एफसीआई के गोदामों में उसकी रक्षा करते हैं। मैं आपको बताने आया हूं, मैं श्रीमति सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी का एक अदना सा कार्यकर्ता, इस तिरंगे झंडे को हाथ में लेकर, जिसके पूर्वजों ने पूरी जिंदगी काट दी आपके पूर्वजों की तरह इस झंडे के तले, मैं आपको बताने आया हूं कि मोदी जी आपके पेट पर इसलिए लात मार रहे हैं, बीजेपी आपके पेट पर इसलिए लात मार रही है, क्योंकि वो एफसीआई को तोड़कर अपने चंद मुट्ठीभर उद्योगपति मित्रों को ये सारे ठेके, गोदाम देना चाहते हैं, जहां मज़दूरों का शोषण किया जा सके। मोदी केवल आपकी रोटी छीनना नहीं चाहते, मोदी एफसीआई को बंद करना चाहते हैं। मोदी एफसीआई के चार–चार टुकड़े करना चाहते हैं। मोदी सारे के सारे प्रोक्योरमेंट के काम को, मंडी से खरीद के काम को, मंडी से बोरों में अनाज भरने के काम को, सारे के सारे भंडारण के काम को, स्टोर के काम को, वो प्रायवेट हाथों में देना चाहते हैं। और वो तीन चार मोदी जी के मित्र उद्योगपति, आपको वो तनख्वाह एवं नौकरी के लिए वो संरक्षण नहीं देंगे, जो संरक्षण आपको श्री राजीव गांधी के समय से आज तक कांग्रेस की सरकार ने इन 13 नोटिफिकेशन के माध्यम से दिया था।

हमने करके दिखाया था, इसीलिए हम आज मन से यह कहने की हिम्मत रखते हैं कि हम मज़दूरों के हक नहीं छीनने देंगे। श्री राहुल गांधी जी का आदेश लेकर हमारे वरिष्ठ साथी आए हैं। श्री राहुल गांधी जी आज आपके बीच आना चाहते थे, उन्होंने यह कहकर हमें भेजा है कि एफसीआई वर्कर यूनियन के साथियों की पीड़ा के साथ कांग्रेस और श्री राहुल गांधी का हाथ सदैव खड़ा है। कांग्रेस पार्टी और श्री राहुल गांधी और श्रीमति सोनिया गांधी, जहां–जहां आपका पसीना पड़ेगा, जहां–जहां आपके पसीने की बूंद गिरेगी, उस धरती पर हम आपका हाथ से हाथ पकड़कर, मेरे मज़दूर भाईयों, आपके साथ चलेंगे, आपको पीठ नहीं दिखाएंगे, आपके अधिकारों की लड़ाई लडेंगे, आपके कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ेंगे और तब तक लड़ेंगे, जब तक भाजपा और नरेंद्र मोदी को आपकी ड्योढ़ी पर लाकर झुका नहीं देंगे।

और बात खत्म करने से पहले कहूंगा कि मज़दूर भाईयों! ये लड़ाई मोदी के चंद उद्योगपतियों और पेट एवं पीठ एक करके रोटी कमाने वाले मज़दूर के बीच की लड़ाई है। ये लड़ाई रोटी और रोजगार की लड़ाई है। ये लड़ाई आपके बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाने की लड़ाई है। ये लड़ाई, जो आपका अधिकार है, उसका संरक्षण कैसे हो, आपकी रोटी कोई छीन न पाए, इस बात को पक्का करने की लड़ाई है। **ये लड़ाई मोदी और मज़दूर के बीच की लड़ाई है। और मज़दूर इस लड़ाई को जीतेगा और मोदी हारेंगे। और सोनिया गांधी एवं श्री राहुल गांधी, मोदी और मज़दूर की इस लड़ाई में हमेशा मज़दूर के साथ खड़े रहेंगे। ये हमारा आपसे वायदा है।**